HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
SATURDAY, APRIL 30, 2016

Cane farmers urged to adopt technology

HT Correspondent
lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: Agriculture production commissioner Pravir Kumar has said that sugarcane crop played a key role in the state's economic development and added the government was committed to the welfare of sugarcane farmers as well as the sugar industry.

He was speaking as chief guest at the two-day annual convention of NISSTA and Technical Expo at the ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research here on Friday.

He expressed satisfaction over improved recovery during the current crushing season and urged the sugarcane farmers to adopt innovative technologies such as adoption of improved varieties and intercropping of other crops to maximize their income. Kumar admitted that the sugar sector was highly regulated. He advocated that regulation to an extent was essential to maintain balance between the associated sectors and overall economy.

He also laid emphasis on striking the right balance between sustainable sugarcane farming and water efficient sugarcane varieties as well as technology.

Narendra Mohan, director, National Sugar Institute, Kanpur, appreciated the higher sugar recovery in UP during the current season due to adoption of improved sugarcane variety and conducive climate.

He urged the scientists to develop climate resilient sugarcane varieties. He also asked the millers to change the technology of sulphitation for sugar which was not acceptable in the global marke, now. He highlighted the need of fortified sugar or pharmaceuticals sugar.

'IISR Newsletter' was released at annual convention of NISSTA. HT

the pioneer
LUCKNOW | SATURDAY | APRIL 30, 2016

Cane farmers urged to adopt innovative technologies

PNS LUCKNOW

A day-long annual convention of NISSTA (North Indian Sugarcane and Sugar Technologists' Association) and Technical Expo-2016 was organised at the ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research here on Friday.

Agricultural Production Commissioner Pravir Kumar, who was the chief guest, while highlighting the role of sugarcane crop in the economic development of UP, spoke about the welfare of cane growers and the sugar industry of the state.

He expressed satisfaction at the improved recovery during the current crushing season and urged the sugarcane farmers to adopt innovative technologies like improved varieties and inter-cropping to maximise their income.

He admitted that the sugar industry sector was highly regulated with most of its activities being regulated by one measure or the other.

Kumar said the regulations were necessary to maintain balance between the associated sectors and the overall economy. He stressed on sustainable sugarcane farming using water-efficient sugarcane varieties as well as technology.

Speaking at the convention, director of National Sugar Institute, Kanpur, Narendra Mohan said the higher sugar recovery obtained in UP in the current season was due to adoption of improved sugarcane varieties and a conducive climate.

He urged the scientists to develop climate-resilient sugarcane varieties and asked the millers to change the technology as the one used at present was not acceptable in the global market now.

He stressed on production of fortified sugar or pharmaceutical sugar.

Expressing concern over the unhygienic packaging of sugar in gunny bags, he stressed the need for its proper packaging, branding and value addition.

Explaining the important role of environment as well as of varieties in improving recovery, director of ICAR-Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore, Bakshi Ram, credited the higher recovery of 0.36 per cent to the adoption of the improved sugarcane variety, Co 0238, which had covered more than 4 lakh hectare area in UP, leading to an additional benefit of ₹394 crore during the current sugar season.

He said that teams from Brazil, Nigeria and Vietnam would soon visit UP to study the improved recovery in the state.

He said a sound seed production programme should be adopted by sugar mills.

In his introductory remarks, NISSTA president Ram Moorty Singh explained the need for establishing the association for the betterment of the sugarcane farmers and sugar industry in the northern region of the country.

NISSTA secretary Anil Kumar Shukla threw light on the theme of the annual convention.

IISR-Lucknow director AD Pathak welcomed the participants and presented a brief account of the achievements of the institute.

Organising secretary AK Sah proposed the vote of thanks.

A Technical Expo showcasing the latest innovations made by the industry, research institutes and supporting organisations was also organised.

More than 250 delegates took part in the convention.

The proceedings of the event and two publications of the institute, 'IISR Newsletter' and a book on 'Climate change-induced biotic stresses affecting sugarcane and their mitigation' by Dr AK Shrivastava and his team were released.

On this occasion, some eminent personalities who contributed significantly for the development of sugarcane and the sugar sector in the country were awarded.

ICAR-Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore, director Bakshi Ram was given the Best Innovator of the Year-2016 award. IISR, Lucknow, director AD Pathak was honoured with the Best Researcher of the Year-2016 award.

PARADIP PORT TRUST
e-TENDER CALL NOTICE
Name of the work : "Supply, Installation and Commissioning of Dust Suppression system in Siding Plot -15 near Gate No.3 of PPT ".
Estimated cost : ₹ 1,79,39,459/-
Last date & time of submission of bid : dtd.26.05.2016 upto 17:15 Hrs.
Refer our website for details: https://eprocure.gov.in/eprocure/app
Executive Engineer
Workshop Division
PPT/65/PR/16-17, Dt. 28.04.2016

भारत संचार निगम लिमिटेड
कार्यालय दूरसंचार जिला प्रबन्धक, बलिया
पत्रांक-जी-3/एडवरटिजमेंट/79 निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक-25.04.16
दूरसंचार जिला प्रबंधक बलिया द्वारा बलिया एस.एस.ए. में 12 बोल्ट बैट्री की आपूर्ति एवं विभागीय फार्मों की छपाई हेतु मुहर बंद (बैक्स सील) निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा की विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://www.upe.bsnl.co.in पर देखें।
मण्डल अभियन्ता (नियोजन)

लखनऊ, 30 अप्रैल 2016 दैनिक जागरण

उन्नत किस्में अपनाएं गन्ना किसान

◆ वार्षिक सम्मेलन एवं तकनीकी प्रदर्शनी शुरू

गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित वार्षिक समारोह में निदेशक डॉ. एडी पाठक को सम्मानित करते एपीसी प्रवीर कुमार

जागरण संवाददाता, लखनऊ : भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन एवं तकनीकी प्रदर्शनी शुक्रवार को शुरू हुई। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार ने कहा कि राज्य के गन्ना कृषकों व चीनी उद्योग के हित के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने वर्तमान पेराई सत्र में चीनी परता में हुई वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए अधिक उन्नत प्रजातियों के अपनाए जाने के साथ नवीन प्रौद्योगिकी अपनाने पर बल दिया। एपीसी ने माना कि चीनी उद्योग बहुत अधिक नियमन वाला क्षेत्र है जहां पर अधिकांश चीजें सरकार द्वारा नियमित की जाती हैं। उन्होंने संबद्ध क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखने हेतु तथा अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए नियमन को एक हद तक उचित माना। प्रवीर कुमार ने जल दक्ष गन्ना किस्मों तथा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ गन्ने की सतत् खेती पर विशेष जोर दिया।

कानपुर स्थित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन उच्च चीनी परता का श्रेय उन्नत प्रजातियों को दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों को गन्ने की जल वायुरोधी किस्मों के विकास पर बल दिया। उन्होंने फोर्टीफाइड चीनी को बाजार में लाने की आवश्यकता बताई। चीनी की जूट बोरियों में पैकेजिंग को स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक बताते हुए, उन्होंने चीनी की उचित पैकिंग, ब्रांडिंग तथा मूल्य संवर्धन की आवश्यकता भी बताई। इस पेराई सत्र में प्रदेश में चार लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में कोलख 0238 प्रजाति की खेती से राज्य को 394 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। उन्होंने चीनी मिलों द्वारा सुदृढ़ गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम चलाने की वकालत की।

निष्टा के अध्यक्ष डॉ. राम मूर्ति सिंह ने देश के उत्तरी क्षेत्र में गन्ना कृषकों व चीनी उद्योग की बेहतरी के लिए निष्टा की स्थापना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अनिल कुमार शुक्ला ने सम्मेलन की रूपरेखा रखी। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ.एडी पाठक ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ.एके साह ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर चीनी उद्योग, शोध संस्थानों व सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से एक तकनीकी प्रदर्शनी भी लगायी गई है जिसमें नवीनतम नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया है।

गन्ना उत्पादन बढ़ाएं, चीनी की लागत घटाएं

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

आह्वान

- वार्षिक सम्मेलन में कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया आह्वान
- बिजली उत्पादन व कचरा प्रबंधन से जुड़ी मशीनों की लगी प्रदर्शनी

ऐसी तकनीक का विकास किया जाना चाहिए जिससे गन्ने का उत्पादन बढ़े और दूसरे देशों के मुकाबले चीनी की लागत कम हो। गन्ना एवं चीनी संघ के वार्षिक सम्मेलन में कृषि उत्पादन आयुक्त ने वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों से यह आह्वान किया।

उत्तर भारतीय गन्ना एवं चीनी संघ एवं आईआईएसआर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय संघ का वार्षिक सम्मेलन रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के सभागार में हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार ने कहा कि उत्तर भारत में गन्ने की प्रति इकाई उत्पादकता एवं चीनी लेवी दोनों ही दक्षिण भारत एवं विदेशों की तुलना में कम है। इसे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब फसल प्रणाली का 'सस्टेनेबुल मैनर' नियोजन कर क्रियान्वयन किया जाना चाहिए। जिससे फसलों की उत्पादकता एवं लाभ लम्बी अवधि तक बनी रहे।

संघ के अध्यक्ष व पूर्व अपर गन्ना आयुक्त डॉ. राममूर्ति सिंह ने कहा कि चीनी उद्योग के विकास के लिए चीनी मिलों को विशेष पैकेज व अन्य मांगों के लिए निस्टा मंच बनाया गया है।

समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पाठक, निस्टा के सचिव अनिल कुमार शुक्ला, गन्ना प्रजनन संस्थान कोयम्बटूर के निदेशक डॉ. बख्शीराम, डॉ. एके शाह और भारतीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने भी परिचर्चा में भाग लिया। यहां गन्ना, चीनी, इथनाल, बिजली उत्पादन एवं कचड़ा प्रबन्धन से जुड़ी मशीनरी की प्रदर्शनी लगाई गई। इस सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, बिहार, उत्तराखण्ड, यूपी के गन्ना एवं चीनी उत्पादक राज्यों के अधिकारी, चीनी मिलों के तकनीकी अधिकारी, मशीनरी उद्योग एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, शनिवार, 30 अप्रैल 2016

आर्थिक समृद्धि पाने को किसान उन्नत प्रजाति अपनाएं

निस्टा का वार्षिक सम्मेलन एवं तकनीकी प्रदर्शनी शुरू, नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी अपनाए किसान, फार्मास्कयुटिकल चीनी को बाजार में लाने की आवश्यकता

लखनऊ। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में निस्टा और संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गन्ना और चीनी उद्योग का दो दिवसीय सालाना सम्मेलन और तकनीकी एक्सपो शुक्रवार को संस्थान के सभागार में शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर बतौर मुख्यअतिथि के रुप में प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार सूबे के आर्थिक विकास में गन्ने की फसल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य के गन्ना कृषकों व चीनी उद्योग के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने वर्तमान पेराई सत्र में चीनी परता में हुई वृद्वि पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिक आय प्राप्त करने हेतु गन्ना कृषकों को उन्नत प्रजातियों के अपनाए जाने तथा गन्ने में अन्य फसलों की अन्तर्संस्य पद्धति में खेती करने जैसी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

श्री कुमार ने माना कि चीनी उद्योग बहुत अधिक नियमन वाला क्षेत्र है जहाँ पर अधिकांश क्रियाएं सरकार द्वारा नियमित की जाती हैं। उन्होंने सम्बद्ध क्षेत्रों में सन्तुलन बनाए रखने हेतु तथा अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु नियमन को एक हद तक उचित माना। उन्होंने जल दक्ष गन्ना किस्मों तथा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ गन्ने की सतत खेती पर विशेष बल दिया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने इस पेराई सत्र में प्राप्त उच्च चीनी परता का श्रेय गन्ने की उन्नत प्रजातियों के अपनाने तथा फसल के लिए अनुकूल जलवायु को देते हुए सन्तोष व्यक्त किया। श्री मोहन ने वैज्ञानिकों को गन्ने की जलवायुरोधी किस्मों के विकास पर बल दिया। उन्होंने प्रसंस्करणकर्ताओं से अभी भी गन्धीकृत चीनी उत्पादन की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन लाने का आह्वान किया क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में यह चीनी अब स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने फोटींफाइड चीनी या फार्मेस्कयुटिकल

उद्घाटन

गन्ना अनुसंधान चीनी उद्योग में उत्कृष्ट योगदान देने वाले किए गए सम्मानित

चीनी को बाजार में लाने की आवश्यकता बताई। चीनी के जूट बोरियों में पैकेजिंग को स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक बताते हुए, उन्होंने चीनी की उचित पैकिंग, ब्रान्डिंग तथा मूल्य संवर्धन की आवश्यकता बतायी।

उच्च चीनी परता प्राप्त करने के लिए पर्यावरण तथा किस्म दोनों की महत्ता समझाते हुए डा. बक्शी राम, निदेशक, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने 0.36 प्रतिशत की अतिरिक्त चीनी परता का श्रेय गन्ने की उन्नत प्रजाति को. 0238 को दिया व बताया कि इस पेराई सत्र में उत्तर प्रदेा में चार लाख हे. से अधिक क्षेत्र में इस प्रजाति की खेती से राज्य को 394 करोड़ रूपये से अधिक का लाभ हुआ। उन्होंने सूचित किया कि ब्राजील, नाइजीरिया व वियतनाम के दल बढ़ी परता के कारणों का अध्ययन करने हेतु उत्तर प्रदेश का भ्रमण करने आने वाले हैं। उन्होंने चीनी मिलों द्वारा सुदृढ गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम चलाने की वकालत की।

इस मौके पर निस्टा के अध्यक्ष डॉ. राम मूर्ति सिंह ने देश के उत्तरी क्षेत्र में गन्ना कृषकों व चीनी उद्योग की बेहतरी के लिए निष्टा की स्थापना की आवयकता पर प्रकाा डाला। अनिल कुमार शुक्ला, सचिव, निस्टा ने इस वार्षिक सम्मेलन में विचार विमर्श होने वाले विषयों पर चर्चा की। आइआइएसआर के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने सम्मेलन में आए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों का वर्णन किया। डॉ. ए.के. साह, आयोजन सचिव ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर चीनी उद्योग, शोध संस्थानों व सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से एक तकनीकी प्रदर्शनी भी लगायी गई जिसमें नवीनतम नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी दर्शायी गई है। इस सम्मेलन में 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सम्मेलन में कार्यवृत्त तथा संस्थान के दो प्रकाशन आईआईएसआर न्यूजलेटर तथा

रायबरेली रोड स्थित गन्ना अनुसंधान मे वार्षिक कन्वेशन एवं टेक्निकल एक्पो 2016 के कार्यकर्म मे पुस्तक का विमोचन करते कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार

जलवायु परिवर्तन पर डॉ. एके श्रीवास्तव एवं साथियों द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। देश में गन्ना अनुसंधान एवं चीनी उद्योग में उल्लेखनीय योगदान के लिए कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को पुरस्कृत भी किया गया। अरविन्द प्रसाद, निदेशक, एल.एच.शुगर फैक्ट्रीज लि., पीलीभीत को जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार,पंकज रस्तोगी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डालमिया भारत शुगर इन्डस्ट्रीज लि. को नेतृत्व हेतु उद्योग का उत्कृष्टता पुरस्कार, डॉ. बक्शी राम, निदेशक, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर को वर्ष 2016 का सर्वश्रेष्ट नवोन्मेषी पुरस्कार तथा डॉ. ए.डी. पाठक, निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान को वर्ष 2016 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधानकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। *वर्स.*

लखनऊ। शनिवार ● 30 अप्रैल ● 2016

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

उन्नतशील बीज उपलब्ध कराने पर दिया बल

■ लखनऊ।

सहारा न्यूज ब्यूरो

रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में उत्तर भारतीय गन्ना एवं चीनी संघ व भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन एवं तकनीकी मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गन्ना एवं चीनी उत्पादन, चीनी परता, इथनाल व बिजली उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण, कचड़ा प्रबन्धन सहित शोध एवं नवाचार की नीतियों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार द्वारा दीप जलाकर हुआ। उक्त आयोजन में हरियाणा, पंजाब, बिहार, उत्तराखण्ड व उत्तर प्रदेश के गन्ना एव चीनी उत्पादक राज्यों के अधिकारियों ने चीनी मीलों के तकनीकी अधिकारियो, मशीनरी उद्योग के वैज्ञानिकों समेत लगभग दो सौ लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने दक्षिण भारत एवं विदेशों के तुलनात्मक दृष्टिकोण से उत्तर भारत में गन्ने की प्रति इकाई उत्पादकता एवं चीनी परता को कम बताया जबकि लागत अधिक लगने की बात कहीं जिसके लिये वैज्ञानिकों से गन्ने की उन्नत प्रजातियाँ तथा चीनी बनाने की तकनीक को विकसित करने की बात कंही। संघ के अध्यक्ष डॉ राममूर्ति सिंह ने कहा कि सरकार, चीनी मीलों व गन्ना किसानों के मध्य न्यायोचित सामंजस्य बनाने के लिये सेतु का काम कर रही है। इस अवसर पर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ एडी पाठक ने वैज्ञनिकों व गन्ना मिल अधिकारियों को गन्ने की उन्नतिशील किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध कारने के साथ-साथ गन्ने की गुणवत्ता व पेराई प्रारम्भ करने के पूर्व गन्ना आपूर्ति कैलेंडर के अनुसार किसानों के गन्ने की खरीद सुनिश्चित करने पर बल दिया।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन व तकनीकी मेले में स्मारिका का विमोचन करते अतिथिगण।

पिता ने बेटे व बहू को पीटा

गोसाईंगंज-लखनऊ। क्षेत्र के दाउदपुर गांव निवासी सुनील व पत्नी विभा ने गोसाईंगंज थाने में पिता के खिलाफ पीटने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। सुनील की पत्नी विभा का आरोप है कि शुक्रवार सुबह जब उसने ससुर से अपने जेवर मांगे तो वह गालियां देने लगे। विरोध किया तो लात-घूसों से मारा। बीच-बचाव के लिए जब पति सुनील आया तो उसने अपने छोटे बेटे संजय के साथ मिलकर दोनों की पिटाई कर दी। विभा व सुनील की शादी दो माह पूर्व ही हुई है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

आज

लखनऊ,30 अप्रैल, 2016

गन्ना अनुसंधान संस्थान में उत्तर प्रदेश गन्ना एवं चीनी तकनीकी संघ के अधिवेशन में बोलते कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार।

उत्तर भारत में गन्ना और चीनी उत्पादन बढ़ने की अपार संभावनायें

लखनऊ, शुक्रवार। उत्तर भारतीय गन्ना एवं चीनी संघ एवं आईआईएसआर के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक कन्वेंशन का उद्घाटन कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में किया गया। कन्वेंशन में हरियाणा पंजाब, बिहार, उत्तराखण्ड उ.प्र. के गन्ना एवं चीनी उत्पादक राज्यों के वरिष्ठ शासकीय अधिकारियों चीनी मिलों के तकनीकों अधिकारियों मशीनरी उद्योग एवं वैज्ञानिकों के लगभग २०० लोग द्वारा प्रतिभाग किया गया। कन्वेंशन के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार ने कहा कि उत्तर भारत में गन्ने की प्रति इकाई उत्पादकता एवं चीनी परता दोनों ही दक्षिण भारत एवं विदेशों की तुलना में कम है, जिससे उत्तर भारत में प्रति इकाई चीनी की उत्पादकता कम है और चीनी की लागत तुलनात्मक रूप से अधिक है। इसे उत्तर भारत में बढ़ाये जाने की पर्याप्त संभावनायें है। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों से कहा कि गन्ने की ऐसी प्रजातियां विकसित करने एवं चीनी बनाने की ऐसी तकनीकी का विकास किया जाये जिससे देश में गन्ना का उत्पादन व चीनी परता बढ़ोत्तरी हो जिससे चीनी उत्पादन बढ़ाया जा सके और चीनी की तुलनात्मक लागत भी कम हो सके। संघ के अध्यक्ष व सेवानिवृत्त अपर गन्ना आयुक्त डा. राममूर्ति सिंह ने बताया कि उत्तर भारत में चीनी उद्योग के सतत एवं समतापूर्वक विकास के लिए चीनी मिलों को विशेष पैकेज व न्यायोचित सुविधाओं की मांगों को सुनिश्चित कराने के लिए निस्टा मंच बनाया गया है।

10 लखनऊ
30 अप्रैल 2016 राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान में वार्षिक कनवेन्शन एवं टेक्निकल एक्पो 2016 कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार

गन्ने की किस्मों में सुधार के लिए मिलकर काम करेंगे भारत व आस्ट्रेलिया

मेलबर्न। भारत व आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक गन्ने के क्षेत्र में मिलकर अनुसंधान करेंगे ताकि गन्ना सुधार व किस्म विकास में तेजी से लाभ लिया जा सके। इस परियोजना के तहत गन्ने की विभिन्न किस्मों में उत्पादकता, चीनी तत्व व सूखा सहनशीलता आदि के लिए आनुवांशिक निर्माताओं की पहचान की जाएगी। इसके लिए अतिआधुनिक जैव प्रौदयोगिकी का इस्तेमाल होगा। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया भारत रणनीतिक अनुसंधान कोष एआईएसआरएफ के तहत एक नए अनुदान की घोषणा हाल ही में की गई थी। यह परियोजना उसी का परिणाम है। शुगर रिसर्च आस्ट्रेलिया एसआरए के सीईओ नील फिशर ने कहा कि इस अनुदान से एसआरए व गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबतूर के बीच भागीदारी की अनुमति मिली है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और आस्ट्रेलिया के लिए गठजोड़ हेतु महत्वपूर्ण देश है। यह अनुसंधान भागीदारी दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। शनिवार, 30 अप्रैल 2016

गन्ना अनुसंधान संस्थान में तकनीकी मेला

■ **एनबीटी, पीजीआई :** रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में उत्तर भारतीय गन्ना एवं चीनी संघ व भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की ओर से दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन एवं तकनीकी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त प्रवीर कुमार ने दीप जला कर की। इस आयोजन में हरियाणा, पंजाब, बिहार, उत्तराखण्ड व उत्तर प्रदेश के गन्ना एवं चीनी उत्पादक राज्यों के अधिकारियों, चीनी मिलों के तकनीकी अधिकारियों समेत लगभग दो सौ लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अथिति ने वैज्ञानिकों से गन्ने की उन्नत प्रजातियां और चीनी बनाने की तकनीक को विकसित करने की बात कही।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शनिवार, 30 अप्रैल 2016

रायबरेली रोड स्थित गन्ना अनुसंधान संस्थान के वार्षिक कन्वेंशन में स्मारिका का विमोचन करते कृषि उत्पाद आयुक्त प्रवीर कुमार व अन्य